

# FORESTRY

**CGPSC**

**STATE FOREST SERVICE**

**TOOLKIT**

**Detailed  
Syllabus Based  
study material**

+

**Linkage of  
Concepts  
with PYQs**

+

**Infused with  
Infographics  
& Maps**

*Paper - 4*

- ⦿ Forest Protection  
(including Forest Entomology & Pathology)
- ⦿ Wood Science & Technology
- ⦿ Minor Forest Produces (NTFPs)
- ⦿ Ethnobotany & Medicinal Plants
- ⦿ Dendrology
- ⦿ Forest Economics
- ⦿ Forest Legislation



Anuradha Mishra



Ajay Gupta



Shobhit Joshi



Dinesh Jangid



Yash Dhoble



Udayan Subbudhi



Akarsh B.B.



Swarnadipta  
Rakshit



Senthilkumar V



Suchet Balkal

**35** Out of **149** Total Selections in

**Indian Forest Service (IFoS) 2022**



Ayush Krishna



Vinod Jakhar



Gurleen Kaur



Apoorv Dixit



Mohammed Abdul  
Rawoof Shaik



Shinde Sandeep  
Karbhari



Chandra Kumar  
Agrawal



Anshul Tiwari



Vikas Yadav



Subburaj G

**21** Out of **108** Total Selections in

**Indian Forest Service (IFoS) 2021**



Ashish Vijaywar



Ankit Kumar Jain



Sachindra  
Singh Tomar



Shubham Soni



Rahul Chouhan

**05** Out of **06** Total Selections in

**Assistant Conservator of Forest (ACF)**

**MPPSC State Forest Service 2020**

# GENERAL FORESTRY

MODULE – 4



**EDITION : 2024**

+917223970423 ✉ [Hornbillclasses@gmail.com](mailto:Hornbillclasses@gmail.com)

---

Gole ka mandir, Morar, Gwalior (MP) 474005

## Module - 4

# CONTENT



<b>PART – I : FOREST PROTECTION</b>		
1.	Forest Protection : Introduction	1 – 2
2.	Protection against injuries by Man	3 – 15
3.	Protection against injuries by Animals	16 – 21
4.	Protection against injuries by Insects	22 – 27
5.	Protection against injurious Disease	28 – 30
6.	Remaining parts	31 – 34
<b>PART – II : FOREST UTILIZATION</b>		
1.	Wood science & technology	35 – 40
2.	Timber Transportation & Storage	41 – 44
3.	Timber defects	45 – 48
4.	Wood Properties	49 – 55
5.	Timber seasoning	56 – 60
6.	Wood Preservation	61 – 65
7.	Modified timber	66 – 69
8.	Non-Timber Forest Produces (NTFP)	70 – 82
9.	Uses of wood	83 – 84
<b>PART – III : ETHNOBOTANY</b>		
10.	Ethnobotany & Medicinal Plants	85 – 89
<b>PART – IV : DENDROLOGY</b>		
11.	Taxonomy	90 – 97
12.	Herbarium	98 – 101
<b>PART – V : FOREST ECONOMICS</b>		
1.	Forest Economics : Introduction	102 – 107
2.	Forest Market	108 – 112
<b>PART – VI : FOREST LEGISLATION</b>		
1.	Forest Policies	113 – 121
2.	Forest Acts	122 – 137
3.	Remaining topics	138 – 140



# FOREST PROTECTION

## INTRODUCTION

### 1.1 FOREST DISASTERS

**HAZARD** : एक खतरनाक घटना, प्राकृतिक या मानव-प्रेरित, जो एक निश्चित क्षेत्र में चोट, जीवन हानि, संपत्ति, आजीविका या पर्यावरण का नुकसान कर सकती है। घटनाएँ हो सकती हैं –

- **Natural**, e.g., Tsunami, Volcanic eruption, Earthquake, etc.
- **Man-induced**, e.g., Pollution, Flood, Drought, etc.

**DISASTER** : जब कोई प्राकृतिक (**natural**) या मानव-जनित घटना (**human-induced event**) व्यापक मानवीय क्षति का कारण बनती है, साथ में आजीविका, संपत्ति और पर्यावरण का भी नुकसान होता है, तो इसे एक निश्चित क्षेत्र में आपदा कहा जाता है।

- इसका अर्थ है कि कोई घटना तभी विपत्ति बनती है जब वह इतने बड़े पैमाने पर होती है कि वन पारिस्थितिकी तंत्र उसका सामना करने में असमर्थ होता है, जिससे वन पारिस्थितिकी तंत्र के सामान्य कार्य में पूर्ण बाधा उत्पन्न होती है।

[**forest disaster** एक बड़े पैमाने पर होने वाली घटना है जो वनीय पारिस्थितिक तंत्र को significant नुकसान पहुंचाती है।]

#### TYPES OF FOREST DISASTERS

##### Based on speed

- **Slow onset** : Takes months/Years – Drought, Environmental / Forest degradation. कई महीने/वर्षों तक, सूखा, पर्यावरणीय/वन क्षरण
- **Rapid onset** : Triggered instantaneous – Cyclone, Landslide, Forest fire, etc.

##### Agency (कारक) के आधार पर

- **Natural** : Tsunami, Cyclones
- **Man-induced** : Forest fire

##### Based on the area of damage (क्षति के क्षेत्र के आधार पर)

- **Climatic disasters** : Drought (सूखा), Flood in the Low lying area (निचले क्षेत्र में बाढ़), Cyclone (चक्रवात), Hail storm (ओलावृष्टि), Heatwave (लू)
- **Geological disasters** : Landslides, Volcanic eruptions, etc.
- **Hydrological disasters** : Tsunami, Limnic eruptions, etc.
- **Man-induced** : Forest fire, Heavy metal poisoning, etc.



Mt. Merapi volcano erupts, Indonesia, March 2023



Bhopal gas tragedy



The U.S. military used **Agent Orange**, a herbicide and defoliant, during the Vietnam War from 1962 to 1971.

# PROTECTION AGAINST INJURIES BY ANIMALS

जानवर कई तरह से जंगलों को नुकसान पहुंचाते हैं— Grazing (चराई), browsing (पल्लव चारण), Debarking (निर्वकलन), वृक्षारोपण और नई वृद्धि को रौंदना।

घरेलू जानवर मुख्य रूप से चरने के लिए जंगल में प्रवेश करते हैं यह जंगलों और जंगली जानवरों के लिए बहुत अधिक नुकसान का कारण बनता है। कुछ रोग ऐसे होते हैं, जो घरेलू पशुओं से जंगली जानवरों में फैलते हैं इसके अलावा, पालतू जानवर अपने शरीर के साथ बीज ले जाकर नई खरपतवार प्रजातियों को फैलाते हैं।

## 3.1 GRAZING (चराई)

Grazing refers to feeding leaves and twigs of plants such as grasses and herbs. (चराई से तात्पर्य घास और जड़ी-बूटियों जैसे पौधों की पत्तियों और टहनियों को खिलाने से है।)

Grazing Animals : Cow, Buffalo, etc.

### SIGNIFICANCE

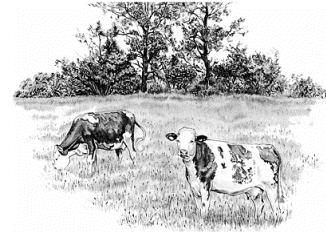
- दूध, भोजन, मांस और कार्यबल उत्पादित करके ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ बनते हैं।
- जीडीपी में 6% और कृषि जीडीपी में 25% का योगदान करते हैं।

### GRAZING PATTERN (चराई के तरीके)

- (1) **Migratory grazing** (प्रवासी चराई) : इस प्रकार की चराई में, सर्दियों के मौसम में जानवर को अधिक ऊंचाई वाले स्थानों से कम ऊंचाई वाले स्थानों पर ले जाते हैं, ताकि ऊंचाई वाले स्थानों में ठंडे मौसम की स्थिति से बचा जा सके और गर्मियों में वापस पहाड़ियों पर चले जाते हैं। (यानी हिमाचल प्रदेश में बकरवाल, JK में वन गुज्जर)।

✎ **Kharak** system in Uttarakhand, **Gol** system in Rajasthan,

- (2) **24 hour grazing (24 घंटे चराई/पसर चराई)** : इसमें दिन-रात मवेशी जंगल के अंदर ही रहते हैं। निर्दिष्ट अवधि की समाप्ति के बाद, जानवरों को घरेलू उपयोग के लिए फिर से पकड़ लिया जाता है।
- (3) **Day grazing (दिन चराई)** : यहां, पशुओं को दिन के समय जंगल में चरने के लिए जाने दिया जाता है। रात के समय पशुओं को वापस मानव बस्तियों के पास स्थित पशुशालाओं में लौटा लिया जाता है।
- (4) **Penning and stall feeding** : इस तरह जंगल से चारा एकत्र कर पशुशाला में (खानोटा/लिडोरी) में मवेशियों को चारा खिलाते हैं। पशुशाला से पशुओं को बाहर नहीं निकलने दिया जाता है।



Grazing



Browsing :  
[Goat, Elephant, Camel, etc.]

# PROTECTION AGAINST INJURIES BY INSECTS

कीट वर्णों के सबसे विनाशकारी एजेंटों (कारकों) में से एक हैं। कीड़ों द्वारा होने वाली क्षति पौधों के जीवन की किसी विशेष अवस्था तक ही सीमित नहीं है, बल्कि बीज से लेकर अंतिम अवस्था तक विकास के हर चरण में देखा जा सकता है। बीज एकत्र करने से पहले ही, उन पर घुन और पतंगे जैसे कीड़ों का हमला हो सकता है। इनमें से कुछ कीटों की गतिविधियों के कारण भंडारण के दौरान भी बीजों का खराब होना जारी रह सकता है।

## 4.1 HARMFUL POLYPHAGOUS INSECTS (विनाशकारी कारक)

- **TERMITES** (दीमक) (White ant) : प्रजातियाँ - *Odontotermis* *obesus* &

*Microtermis* *mycophagus*

- ✗ Order : *Isoptera*
- ✗ Harmful stage : Larvae / Pupae / **Adult only** / All
- ✗ Caste responsible for all types of damages : Larvae / **Workers** / Queen / Soldiers.
- ✗ शुष्क और अर्ध-शुष्क स्थिति/रेतीली और रेतीली दोमट मिट्टी में दीमक की समस्या अधिक गंभीर होती है
- ✗
- ✗ Positive Role of Termite in *Nutrient Recycling*
- ✗ रासायनिक नियंत्रण : by spraying Aldrin & Chloropyrifos



Termite



White grub



Cut-worm

- **White Grub or Chaffer Beetle or June Beetle or Cock Chaffer** : It is a **soil-dwelling root feeder polyphagous** larva.

- ✗ Order : Coleoptera
- ✗ Example : *Holotrichia* *Consanguinea*\*\*\*
- ✗ Serious Nursery pest of **Teak, Sal, Deodar, Babool, Ber** and **Khejari**.
- ✗ Attackers stage : Grub (Root feeder, attack on seedlings), Adult (Leaf feeder).

- **Cut-worm (*Agrotis ipsilon*)** : कैटरपिलर मुख्य रूप से रात के दौरान सक्रिय होता है और रस चूसने के लिए आधार के पास नई टहनियों को काटता है



*Inderbela quadrinotata*

- ✗ यह मुख्य रूप से - **Acacia, Albizzia, Prosopis (AAP), and Eucalyptus** पर हमला करता है

- **Bark-eating caterpillar (*Xyleborous*)** : कैटरपिलर कई प्रजातियों (***Inderbela quadrinotata***) की छाल का सेवन करते हैं और इसके चारों ओर आश्रय बनाते हैं।

- ✗ Attacks on **Acacia, Albizzia, Prosopis (AAP), and Ziziphus**.



# CHAPTER 1

# WOOD SCIENCE & TECHNOLOGY

## INTRODUCTION

वन उपयोग (Forest utilization) को वन उपज की कटाई (harvesting), रूपांतरण (conversion), परिवहन (transportation) और निपटान (disposal) की प्रक्रिया के रूप में परिभाषित किया गया है। इसमें विभिन्न उपयोगी वस्तुओं के लिए बाजार और निर्माण भी शामिल है।



## 1.2 HISTORICAL BACKGROUND

### 1860 तक

इस समय तक, वन कटाई (clearing) आम बात थी, ईंधन और निर्माण उद्देश्यों के लिए जंगल से आवश्यक लकड़ी को प्राप्त करना। यह प्रक्रिया काफी ज्यादा असंगठित और व्यापारियों को लकड़ी काटने के लिए केवल नाममात्र का शुल्क देना पड़ता था। यह निकासी कुछ विशिष्ट प्रजातियों जैसे सागौन, साल, चंदन और रोजवुड (डालबर्गिया लैटिफोलिया) तक ही सीमित था। कुल्हाड़ी को काटने के लिए प्राथमिक उपकरण के रूप में उपयोग किया जाता था, जिसके परिणामस्वरूप उपयोगी लकड़ी की बर्बादी होती थी।

### 1860 से 2nd World War तक

इस दौरान, व्यवस्थित कामकाज और संरक्षण प्रयासों को सुनिश्चित करने के लिए सभी राज्यों में वन विभाग स्थापित किए गए। इस अवधि में रेलवे स्लीपर और घरेलू आवश्यकताओं जैसी बुनियादी ढांचागत जरूरतों के कारण लकड़ी की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई। इसके अतिरिक्त, वन इंजीनियरिंग (forest engineering) की प्रगति ने पहले से दुर्गम क्षेत्रों में प्रवेश को सुगम बना दिया।

लकड़ी निष्कर्षण के लिए आधुनिक उपकरणों के प्रयोग के प्रारंभ से इस प्रक्रिया की दक्षता में काफी ज्यादा सुधार हुआ। इसके अतिरिक्त, विश्व युद्ध के दौरान लकड़ी की मांग बढ़ गई, जिससे इसकी कीमत में काफी वृद्धि हुई। बाजार की गतिशीलता के कारण इस बदलाव ने लकड़ी आधारित उद्योगों की ओर ध्यान आकर्षित किया। जैसे-जैसे लकड़ी की लागत बढ़ी, अंतिम उत्पादों की उत्पादन लागत को कम करने के लिए वैकल्पिक सामग्रियों की खोज करने का प्रयास किया गया।



# CHAPTER 4

# WOOD PROPERTIES

## WOOD PROPERTIES

Gross structural	Minute structural	Gross physical	Mechanical	Chemical properties
------------------	-------------------	----------------	------------	---------------------

### GROSS STRUCTURAL (सकल संरचनात्मक)

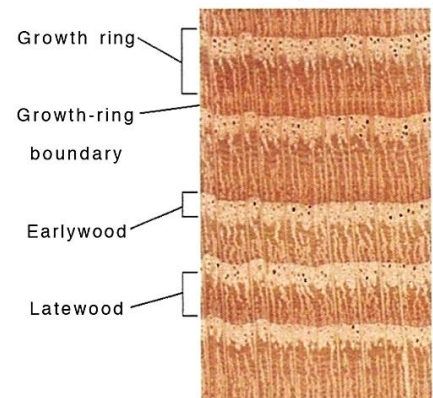
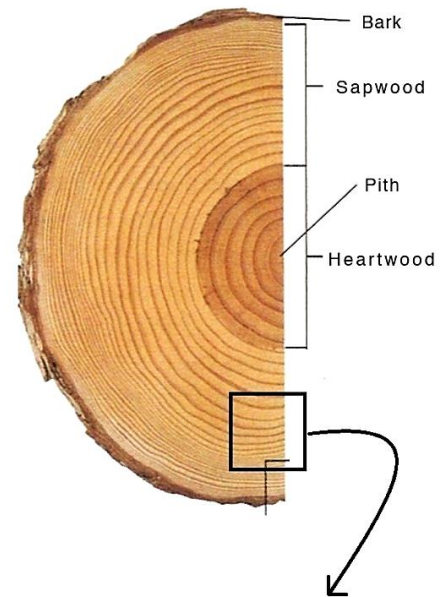
Gross structural (सकल संरचनात्मक) का अर्थ है कि जब हम नंगी आंखों से लकड़ी (लट्टा) देखते हैं जिसे हम आसानी से पहचान सकते हैं।

- Bark (छाल)
- Pith (मज्जा)
- Sapwood (रसदारू लकड़ी) & heartwood (दराड़ लकड़ी)
- Growth rings or Annual rings (वृद्धि वलय और वार्षिक वलय)
- Spring and Autumn wood
- Grains & Textures

- ▶ **Bark** : यह लकड़ी का सबसे बाहरी भाग होता है। बाहरी भाग आमतौर पर मृत होता है और इसका नैदानिक (diagnostic) मूल्य होता है। (प्रजाति पहचान में)
- ▶ **Pith** : ऊतक के सबसे भीतरी भाग को मज्जा कहते हैं आमतौर पर गहरे रंग का होता है। इसका न तो कोई विशिष्ट कार्य है और न ही कोई नैदानिक मूल्य होता है।
- ▶ **Sapwood & Heartwood** : *Sapwood (Alburnum)* (रसदारू लकड़ी) एक पेड़ के तने का हल्का, छोटा बाहरी भाग है। यह अधिकांशतः जीवित कोशिकाओं से बना है और, जैसा कि इसके नाम से पता चलता है, रस (तरल पदार्थ) के संचालन और भोजन के भंडारण के लिए है।

*Heartwood (Duramen)* (दराड़ लकड़ी) लकड़ी के भीतर का गहरे रंग का भाग मज्जा कहलाता है। जो गोंद, राल, तेल और रसायनों के जमाव के कारण भारी और गहरे रंग का हो जाता है।

Sapwood (Alburnum)	Heartwood (Duramen)
It forms the outer wood part	It forms the central wood part
It is light-coloured	It is dark-coloured
Lighter in weight	Heavier /Denser
It contains living cells	Dead cells



हालाँकि, रंग भेद हमेशा एक विश्वसनीय मापदंड नहीं होता है। उदाहरण के लिए, हिमालयन सिल्वर फ़र और स्पूस में, **sapwood** और **heartwood** के बीच कोई रंग अंतर नहीं होता है, भले ही भौतिक रूप से, हार्टवुड हमेशा किसी भी परिपक्व लकड़ी में मौजूद होता हो।

## CHAPTER 6

# WOOD PRESERVATION

लकड़ी संरक्षण (Wood preservation) लकड़ी के प्राकृतिक स्थायित्व को बेहतर बनाने की प्रक्रिया है। इसके लिए ऐसे रसायनों का इस्तेमाल किया जाता है जो कीटों, फफूंद और अन्य सड़न एजेंटों के लिए जहरीले होते हैं।

### NECESSITY

- लकड़ी का जीवनकाल बढ़ाने के लिए : विभिन्न आर्थिक क्षेत्रों (जैसे, टेलीफोन के खंभे) में लकड़ी का व्यापक उपयोग होता है। हालांकि, सेल्यूलोज और नमी के कारण, इसकी टिकाऊपन या कार्यशील जीवनकाल काफी कम हो जाता है। इसलिए, इसे रोकने के लिए कुछ प्रकार के उपचार आवश्यक हैं।
- लकड़ी की कार्यशील क्षमता को विशिष्ट परिस्थितियों में बढ़ाने के लिए, हमें एक विशिष्ट प्रकार की लकड़ी की भी आवश्यकता होती है जो विशेष परिस्थितियों, जैसे गर्मी या नमक तनाव की स्थिति (समुद्री वातावरण) में प्रभावी ढंग से काम कर सके, जहां सामान्य लकड़ी कुशलता से काम नहीं कर सकती है।
- लकड़ी को बार-बार बदलने से बचने के लिए

**Durability** : The property or ability of wood to remain sound. Usually, it's lost due to fungal attacks, insect attacks, animals, fire hazards, or mechanical wear and tear.

**Factors Affecting Durability** : Moisture contents in the wood (Provide a base for fungal attack), its hardness (↑↑), deposition of resin and gums (↑↑), and use of wood.

Hardwood + more gum/resin deposition = more durable

**Ralph Pearson**\*\*\* : Father of wood preservation. Started scientific studies on wood preservation at FRI in 1908

**Sonti Kamesam** developed a wood preservative "ASCU" in the 1930s at FRI.

### 6.1 WOOD PRESERVATIVES

लकड़ी संरक्षक ऐसे रसायन होते हैं जिनका उपयोग लकड़ी के संरक्षण में किया जाता है, आमतौर पर वे कीट पतंगों के लिए जहरीले होते हैं।

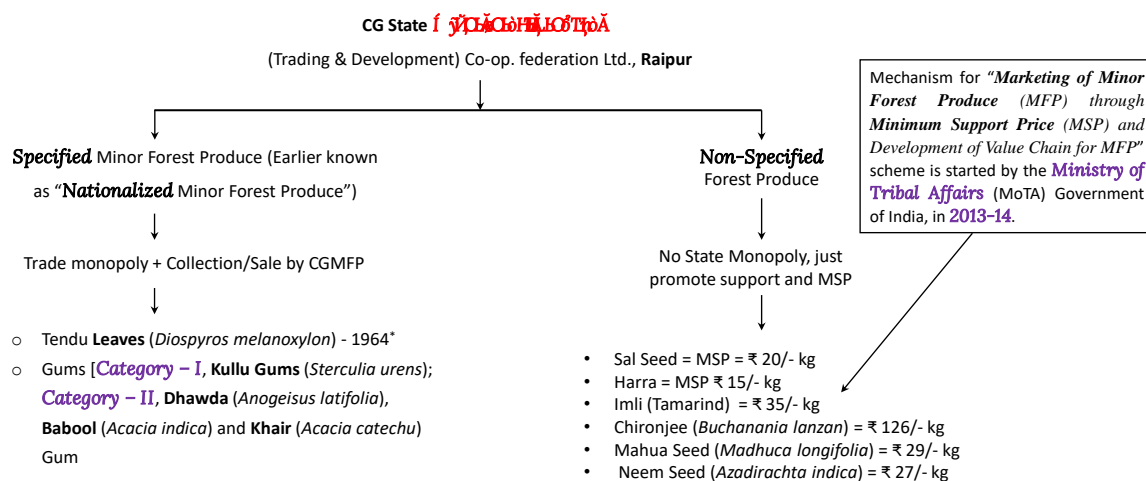
- फफूंद, कीटों और समुद्री जीवों के लिए अत्यधिक विषैला लेकिन मनुष्यों के लिए कम से कम विषैला
- पानी या किसी अन्य विलायक द्वारा धुलने का प्रतिरोध
- लकड़ी में आसानी से प्रवेश करना चाहिए और स्थायी रूप से बना रहना चाहिए
- न तो वाष्पशील होना चाहिए और न ही कुछ वर्षों के बाद निष्क्रिय होना चाहिए
- प्रचुर मात्रा में और सस्ता होना चाहिए
- लकड़ी की ज्वलनशीलता नहीं बढ़ाना चाहिए
- धातुओं का क्षरण नहीं करना चाहिए
- रंगहीन, गंधहीन और पेंट करने योग्य होना चाहिए
- लकड़ी की मजबूती को प्रभावित नहीं करना चाहिए

## CHAPTER 8

# NON-TIMBER FOREST PRODUCE (NTFP)

- ▶ **TIMBER** : अधिकांश इमारती लकड़ी Teak, Sal, *Albizia lebbek*, *Adina cordifolia*, *Cedrus deodara*, *Dalbergia latifolia*, *Dalbergia sissoo*, *Gmelina arborea*, *Hardwickia binata*.....और अन्य प्रजातियाँ से प्राप्त होती है।
- ▶ **औद्योगिक लकड़ी**
  - Pulp and paper : Bamboos, Eucalyptus, Casuarina
  - Plywood : Teak, Rosewood, Terminalia
  - Packing cases : Dinus spp., Silver oak, Fir,
  - Matchwood : Ailanthus, Simaruba, Bombax
  - Toys : Adina, Red Sanders, rose wood

**गैर-इमारती वन उत्पाद (Non-Timber Forest Product) (NTFP)** में "प्रमुख वन उत्पादों के अलावा" सभी प्रकार के वन उत्पाद शामिल होते हैं, जिनमें लकड़ी, छोटी लकड़ी और ईंधन की लकड़ी शामिल होती है। इसमें विशेष रूप से जंगल में पाई जाने वाली घास, फल, पत्ते, छाल, जानवर और खनिज उत्पाद शामिल होते हैं जो उनसे प्राप्त होते हैं या एकत्र किए जाते हैं।



वाणिज्यिक महत्व के लघु वन उत्पादों को निम्नलिखित वर्गों में विभाजित किया जा सकता है।

- Fibers and Flosses
- Grasses, Bamboos, and Canes
- Distillation and Extraction Products, including Grass Oils.
- Oil Seeds



## CHAPTER 10

# USES OF WOOD

- ▶ **Aircraft Industry** : सीधे रेशों और अत्यधिक मजबूती वाली हल्की लकड़ी की आवश्यकता होती है। जैसे, *Picea sitchensis*, *Picea smithiana*, *Ochroma pyramedelis*\*\*\* (Balsa = Lightest wood), आदि
- ▶ **Agriculture Implements** : बैलगाड़ी, हल, हथ्ये आदि में उपयोग के दौरान अत्यधिक दबाव को धारण करने के लिए सबसे मजबूत, सबसे कठोर और दृढ़ लकड़ी ही उपयुक्त हो सकती है। इस कार्य में स्थानीय स्तर पर उत्पन्न प्रजातियाँ उपयुक्त होती हैं। उदाहरण : Babool (*Acacia nilotica*), *Xylia xylocarpa*, *Anogeissus latifolia*, etc.

- ▶ **Battery Separators** : कम वजन वाली हल्की लकड़ी, पर्याप्त रूप से मजबूत, straight grain वाली और विशेष रूप से वाष्पशील एसिड, टैनिन और राल सामग्री से मुक्त होनी चाहिए ताकि यह इलेक्ट्रोलाइट्स को प्रभावित न कर सके।

उदाहरण : *Conifers*\*\*\* – *Abies pindrow*, deodar, pines, spruce, etc.

- ▶ **Boat and Shipbuilding** : यह मजबूत, लोचदार, टिकाऊ और दोषरहित होना चाहिए ताकि भारी तनाव और समुद्री वातावरण का सामना कर सके। साथ ही, इसका वजन हल्का और जंग प्रतिरोधी होना चाहिए। (Powered by AI चीज़ ऐसी चाहिए जो ज़बरदस्त हो, खिंचे भी, टूटे नहीं और टिके ज़माने तक ऊपर से हलकी हो और जंग भी न लगे।)

Examples : *Teak*\*\*\* (Best ship building timber\*\*\*)

*Ochroma pyramidalis* (Balsa) and *Bombax ceiba* for life-saving apparatus.

- ▶ **Furniture Industry** : अच्छा रंग, आकर्षक लकीरें या बनावट, दरार, फटने, टेढ़े होने की संभावना कम होना, आसानी से काम करने और फिनिशिंग करने योग्य होना चाहिए।

Examples : Teak (*Tectona grandis*), Rosewood (*Dalbergia latifolia*), Siris (*Albizia spp.*).

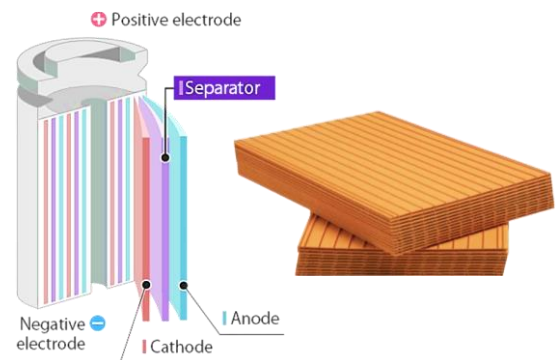
- ▶ **Matchwood Industry** : लकड़ी में सीधे तंतु अच्छी दरार पड़ने की क्षमता मजबूती अच्छा सफेद रंग गाँठों से मुक्त आसानी से छिलने योग्य पैराफिन को सोखने की क्षमता गुण होने चाहिए।

Examples : *Boswellia serrata*\*\*\* (Salai), *Populus tremula*, *Ailanthus excelsa*\*\*\*, *Bombax ceiba*\*\*\* (Semul, mainly planted in North India for the matchwood industry)\* etc.

- ▶ **Packaging Industry** : यह हल्का होना चाहिए, गाँठों से मुक्त होना चाहिए और इसमें सीधे रेशे होने चाहिए जो बेहतरीन पैकेजिंग प्रदान करें और पैकेजिंग का वजन न बढ़ाएं। Examples : Conifers.

- ▶ **Musical Instruments**

Harmonium	Teak***
Guitar	<i>Canarium euphyllum</i> ***



The *Bepore Uru* is a traditional dhow that was built in Bepore, India, with a legacy that dates back to the 11th century. Made from pure Malabar teak and coir, these vessels have been used for generations to facilitate trade, and are renowned for their unique design and skilled craftsmanship.



## CHAPTER 2

# FOREST ACTS

Forest Law, Indian Forest Act (1927, 2002, 2006), Forest Conservation Act (1980) and amendments. Indian Forest Act 2019 (Amendment) – Bamboo freed from forest produce.

- **Wild Life** Protection Act (1972) and its Amendments.
- **Environment** Protection Act 1986
- **Biodiversity** Act 2002,
- **Forest Right** Act 2006 for tribal
- AP Forest Act, 1967

न्याय (कानून) के प्रशासन में राज्य द्वारा मान्यता प्राप्त और लागू सिद्धांतों का एक निकाय है।

**Forest Law (वन कानून)** : ऐसे सभी सिद्धांत, विनियम, या अधिनियम जो जंगल और उससे संबंधित गतिविधियों को जंगल के अंदर या बाहर नियंत्रित करते हैं। forest law (वन कानून) कहलाते हैं।

- कानून (Law) एक सामान्य शब्द है, जबकि 'अधिनियम' एक विशिष्ट स्थिति से संबंधित होता है।
- Forest law (वन कानून) एक **Special law** विशेष कानून है। [CGPSC Assistant Professor 2019; MPPSC (ACF/RFO) 2020; Nagaland PSC CTE 2017,2021]

**Forest Policy** : नीति एक उद्देश्यपूर्ण कार्रवाई है, जो एक संगठन द्वारा की जाती है जो वन संसाधनों के उपयोग और प्रबंधन से संबंधित होती है।

Forest Law	Forest Policy
Laws or 'Acts' are related to regulating and governing a particular situation or act. If you violate it you will be punished.	The policy is a guiding principle and is related to our future Goal where we want to go. If someone violates it, there is a provision for punishment.
Passed by Parliament	By Executive decision, no need to go through parliament

### 2.1 INDIAN FOREST ACT (भारतीय वन अधिनियम) (1927)

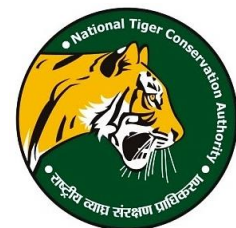
Original Act [MP 2020]

- ▶ 21st सितम्बर 1927
- ▶ वनों, वन-उपज के अभिवहन और इमारती लकड़ी और अन्य वन उपज पर उद्ग्रहणीय शुल्क से सम्बद्ध विधि के समेकन के लिए अधिनियम है।

- Chapter = 13\*\*\*
- Sections = 86\*\*\*

अध्याय : 1 प्रारम्भिक	धारा 1 : इस अधिनियम का संक्षिप्त नाम भारतीय वन अधिनियम, 1927 है लागू – सम्पूर्ण भारत Section 2 : परिभाषा–
-----------------------	---

	<p>सभा द्वारा नामित प्रतिनिधि + राज्य वन या वन्यजीव विभाग के प्रतिनिधि शामिल होते हैं। समिति एक अध्यक्ष का चुनाव करेगी जो सामुदायिक रिजर्व पर मानद वन्य जीवन वार्डन भी होगा।</p> <p><b>SECTION 38</b> : केंद्र सरकार (<b>Central govt</b>) किसी भी क्षेत्र - अभयारण्य या राष्ट्रीय उद्यान की घोषणा कर सकती है।</p>
<p><b>अध्याय 4A</b> : केन्द्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण और चिड़ियाघरों को मान्यता [by 1991 Amendment Act]***</p> <div style="border: 1px solid black; padding: 5px; margin-top: 10px;"> <p><b>CENTRAL ZOO AUTHORITY</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>🌿 Statutory body, under MoEFCC</li> <li>🌿 Chairperson : <b>Minister of MoEFCC</b></li> <li>🌿 Established in 1992</li> <li>🌿 Every zoo in the country is required to obtain recognition from the authority for its operation.</li> </ul> </div>	<p><b>धारा 38 A</b>*** : केन्द्रीय सरकार एक निकाय - केन्द्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण का गठन करेगी, जिसमें शामिल हैं</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• अध्यक्ष [Minister, MoEFCC]</li> <li>• दस से अनधिक सदस्य ,और</li> <li>• सदस्य – सचिव</li> </ul> <p><b>[38B]</b> पदावधि : <b>3 years</b>***</p> <p><b>[38 C ] प्राधिकरण के कृत्य</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>* चिड़ियाघर में रखे गए जानवरों के आवास, रखरखाव और पशु चिकित्सा देखभाल के लिए न्यूनतम मानक निर्दिष्ट करें।</li> <li>* निर्धारित मानकों के संबंध में चिड़ियाघरों के कामकाज का मूल्यांकन और आकलन करना।</li> <li>* चिड़ियाघर को मान्यता देने या मान्यता रद्द करने</li> <li>* <u>बंदी रूप में प्रजनन के प्रयोजनों के लिए जंगली जानवरों की लुप्तप्राय प्रजातियों की पहचान करना और इस संबंध में एक चिड़ियाघर को जिम्मेदारी सौंपना।</u></li> <li>* प्रजनन उद्देश्यों के लिए जानवरों के अधिग्रहण, विनिमय और ऋण का समन्वय करना।</li> <li>* बंदी रूप में प्रजनित वन्यप्राणी की संकटापन्न जातियों की अध्ययन पुस्तिकाओं को बनाए रखना सुनिश्चित करना।</li> <li>* भारत और भारत के बाहर चिड़ियाघर कर्मियों के प्रशिक्षण का समन्वय करना।</li> <li>* चिड़ियाघरों के प्रयोजनों के लिए बंदी प्रजनन और शैक्षिक कार्यक्रमों में समन्वय एवं अनुसंधान।</li> <li>* वैज्ञानिक आधार पर उचित प्रबंधन और विकास के लिए चिड़ियाघरों को तकनीकी और अन्य सहायता प्रदान करना ।</li> </ul> <p>चिड़ियाघरों के संबंध में इस अधिनियम के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए ऐसे अन्य कार्य करना जो आवश्यक हो सकते हैं।</p>
<p><b>अध्याय 4B</b>*** : राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA) By 2006</p>	<p><b>धारा 38 K</b> : परिभाषा - “<b>Tiger reserve</b>” का अर्थ धारा 38V के तहत अधिसूचित क्षेत्रों से है</p> <p><b>धारा 38 L</b>*** : राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण का गठन - केंद्र सरकार द्वारा किया जाता है, इसमें शामिल हैं -</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• अध्यक्ष :भारत का वनमंत्री</li> <li>• राज्यों के वनमंत्री (उपाध्यक्ष)</li> <li>• 3 – संसद सदस्य</li> <li>• Experts – 8</li> <li>• + अन्य</li> </ul> <p><b>[38M]</b> : पदावधि – 3 years</p> <p><b>[38O]</b> बाघ संरक्षण प्राधिकरण की शक्तियाँ और कार्य-</p>



# Congratulations

To all our successful candidates in

## INDIAN FOREST SERVICE (IFOS) 2023



**1**  
AIR

**Ritvika Pandey**

Forestry Comprehensive  
Course



**3**  
AIR

**Swastic Yaduvanshi**

Forestry Comprehensive  
Course



**5**  
AIR

**Vidyanshu Shekhar Jha**

Forestry Comprehensive  
Course + Test Series



**6**  
AIR

**Rohan Tiwari**

Forestry Comprehensive  
Course



**10**  
AIR

**Shashank Bhardwaj**

Forestry Comprehensive  
Course + Test Series



**14**  
AIR

**Ankan Bohra**

Forestry Comprehensive  
Course



**16**  
AIR

**Prachi Gupta**

Forestry Comprehensive  
Course



**17**  
AIR

**Raj Patoliya**

Forestry Comprehensive  
Course + Test Series



**23**  
AIR

**Vineet Kumar**

Forestry Comprehensive  
Course



**27**  
AIR

**Jatin Babu S**

Forestry Comprehensive  
Course



**28**  
AIR

**Gaurav Saharan**

Test Series



**37**  
AIR

**Yash Singhal**

Forestry Comprehensive  
Course



**41**  
AIR

**Nitish Pratik**

Forestry Comprehensive  
Course



**50**  
AIR

**VAASANTHI P.**

Test Series



**54**  
AIR

**Sourabh Kumar Jat**

Forestry  
Comprehensive Course



**56**  
AIR

**Ekam Singh**

Forestry Comprehensive  
Course + Test Series



**57**  
AIR

**Kunal Mishra**

Forestry Comprehensive  
Course



**58**  
AIR

**Atul Tiwari**

Forestry Comprehensive  
Course



**60**  
AIR

**Aman Gupta**

Forestry Comprehensive  
Course + Test Series



**61**  
AIR

**Sanket Adhao**

Forestry Comprehensive  
Course



**63**  
AIR

**Preeti Yadav**

Forestry Comprehensive  
Course



**65**  
AIR

**Nihal Chand**

Forestry Comprehensive  
Course + Test Series



**66**  
AIR

**Shashikumar S. L.**

Forestry Comprehensive  
Course



**67**  
AIR

**Dhino Purushothaman**

Forestry Comprehensive  
Course



**68**  
AIR

**Diwakar Swaroop**

Forestry Comprehensive Course



**72**  
AIR

**Rajesh Kumar**

Forestry Comprehensive Course



**74**  
AIR

**Krishna Chaitanya**

Forestry Comprehensive Course



**75**  
AIR

**Harveer Singh Jagarwar**

Forestry Comprehensive Course



**76**  
AIR

**Akash Dhanaji Kadam**

Forestry Comprehensive Course



**78**  
AIR

**Himanshu Dwivedi**

Forestry Comprehensive Course



**80**  
AIR

**Sumit Dhayal**

Forestry Comprehensive Course



**82**  
AIR

**Priyadarshini**

Forestry Comprehensive Course + Test Series



**91**  
AIR

**Suchet Balkal**

Forestry Comprehensive Course



**93**  
AIR

**Harshad Hinge**

Test Series



**96**  
AIR

**Maharshi Kumar**

Forestry Comprehensive Course



**97**  
AIR

**Akash Kumar**

Forestry Comprehensive Course



**104**  
AIR

**P R Sarbajit**

Forestry Comprehensive Course



**105**  
AIR

**Pawan K. Meena**

Forestry Comprehensive Course



**110**  
AIR

**Keshav Prasoon**

Forestry Comprehensive Course + Test Series



**111**  
AIR

**Nagabhushana S**

Forestry Comprehensive Course



**113**  
AIR

**Shewale Vyankatesh G.**

Forestry Comprehensive Course



**123**  
AIR

**Chandra Bhushan**

Forestry Comprehensive Course



**127**  
AIR

**Shubham Kanoujia**

Forestry Comprehensive Course + Test Series



**128**  
AIR

**Harsh Verma**

Forestry Comprehensive Course + Test Series



**134**  
AIR

**Gaugin Gyanendra Singh**

Forestry Comprehensive Course

**64** Out of **147** Total Selections in

**Indian Forest Service (IFoS) 2023**